

उत्तराखण्ड शासन  
नियोजन अनुभाग  
संख्या- 86 /XXXI/ एक-बी0ए0डी0पी0 ( 9)/2004  
देहरादून: दिनांक: 5 अप्रैल, 2008  
महं

कार्यालय ज्ञाप

उत्तराखण्ड के पौंच सीमावर्ती जनपदों -पिथौरागढ़, चम्पावत, उत्तरकाशी, चमोली तथा उधमसिंह नगर के 9 विकासखण्डों में संचालित सीमान्त क्षेत्र विकास योजना 100% केन्द्र पोषित योजना है। वर्ष 1998-99 से इस योजना में सम्मिलित पूर्ववर्ती राज्य उत्तरप्रदेश में मैदानी क्षेत्रों के बी.ए.डी.पी. सम्बंधी कार्य नियोजन विभाग द्वारा तथा पर्वतीय क्षेत्रों के कार्य उत्तरांचल विकास विभाग द्वारा सम्पादित किए जाते थे। उत्तराखण्ड राज्य गठन के उपरान्त से यह कार्य नियोजन विभाग उत्तराखण्ड शासन द्वारा सम्पादित किए जा रहे हैं।

भारत सरकार में बी.ए.डी.पी. सम्बंधी कार्य गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। चूंकि बी.ए.डी.पी. जैसी योजनाओं का कार्यान्वयन प्रत्यक्ष रूप से किया जाना नियोजन विभाग के कार्य क्षेत्र में सम्मिलित नहीं है। अतएव सम्यक् विचारोपरान्त सीमान्त क्षेत्र विकास योजना का संचालन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति एतद्वारा प्रदान करते हैं।

उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

(एस0 के0 दास)  
मुख्य सचिव।

संख्या- 86 /XXXI/ एक-बी0ए0डी0पी0 ( 9)/2004

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड ओबराय बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
3. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
4. समस्त निजी सचिव, मा0 मंत्रीगण, उत्तराखण्ड सरकार।
5. समस्त प्रमुख सचिव/ सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ।
8. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।

9. समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।

10. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।

✓ 11. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।

12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
( राजत राठी )  
सचिव।